>

Title : Need to check the fast depleting water table in Rajgarh Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh.

श्री नारायण सिंह अमलाबे (राजगढ़): मध्य प्रदेश के पश्चिमी भाग में जिसमें कि विशेषकर मेरा संसदीय क्षेत्र राजगढ़ आता है, जो कि राजस्थान की सीमा से लगा हुआ है। यहां जलस्तर निरंतर नीचे जा रहा है। लगभग 10 वर्ष पूर्व जहां 70-80 फीट की गहराई पर नलकूप खनन करने से पर्याप्त पानी उपलब्ध हो जाता था, लेकिन अब इसी क्षेत्र में 400 फीट से 700 फीट गहराई तक खनन करने पर भी पानी बमुश्किल उपलब्ध हो पाता है। पर्याप्त पानी यदि उपलब्ध हो भी जाता है तो वह पेयजल के योग्य नहीं होता है। शीघ्र ही सरकार ने यदि इस संबंध में समुचित कार्य योजना बनाकर प्रयास नहीं किये तो आने वाले समय में मध्य प्रदेश का यह पश्चिमी भाग, जो कि राजस्थान की सीमा से लगा हुआ है, मरूस्थल में परिवर्तित हो जायेगा। मरूस्थल में परिवर्तित होने के चिन्ह अभी से इस भाग के राजगढ़ जिले के तंवरवाड क्षेत्र में दृष्टिगोचर होने लगे हैं।

मध्य प्रदेश का यह पश्चिमी भाग जो कि मालवा कहलाता है, जहां कि, एक कहावत प्रचलित है, "मालवा में पग-पग पर नीर और डग-डग पर रोटी " शीघ्र ही इतिहास की कथा बन जायेगी और हमारा हरा-भरा मालवा मरूस्थल भूमि में परिवर्तित हो जायेगा।